महत्वपूर्ण एवं खास

सोये अवस्था में साले ने जीजा की डंडे से मारकर किया हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बरमकेला। थाना बरमकेला में दिनांक 26/05/2021 को ग्राम बड़े नावापारा मधुडीपा सरिया में रहने वाले पुरंजन भोय उम्र 56 वर्ष द्वारा उसके बेटे किशन भोय उम्र 27 वर्ष की उसके साला नित्यानंद सिदार उर्फ भैंरा उम्र 20 वर्ष द्वारा उसके ससुराल लोधिया में किशन को सोए हालत में डंडे से पीटकर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराया है। आरोपी युवक को बरमकेला पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है। जानकारी के अनुसार सरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़े नवापारा मधुडीपा में रहने वाले पुरंजन भोय बताया कि उसका लड़का किशन भोय अपने ससुराल ग्राम लुधिया बरमकेला में रहता है। दिनांक 25-26/05/2021 के दरमियानी रात करीब 03:00 बजे ग्राम लोधिया से भतीजा आकर बताया कि किशन का तबीयत खराब है, देखने चलो। तब उसके साथ किशन के ससुराल जाकर देखा तो किशन ससुराल के सामने घर खुलू सिदार के मकान छत में चित हालत में पड़ा था जिसके सिर, माथे नाक, कनपटी में चोट का निशान था, फौत हो चुका था। पुरंजन अपनी बहू मृतक की पत्नी जानकी भोय व समधन से पूछताछ किया तो बताये कि किशन का साला नित्यानंद सिदार उर्फ भैंरा घरवालों से झगड़ा मारपीट कर रहा था जिसे किशन मना कर दो झापड़ मारा था। इसी बात से नित्यानंद रंजीश रखकर रात में किशन भोय को छत में सोये हालत में बेर के मोटा लाठी से सिर में मार कर उसकी हत्या कर दिया। आरोपी नित्यानंद सिदार उर्फ भैंरा पिता श्यामलाल सिदार उम्र 20 वर्ष निवासी लोधिया थाना बरमकेला को बरमकेला पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर बताया कि उसकी बहन जानकी से इसका झगड़ा हुआ था जिसे लेकर जीजा किशन भोय थप्पड़ मारे थे, उसी रंजीश पर उसकी डंडा से मारकर उसकी हत्या कर दिया। आरोपी को आज गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

पानी डूबने से हुई मृत्यु पर वारिसान को सहायता राशि स्वीकृत

रायगढ़ । तहसील धरमजयगढ़ ग्राम-टोनाहीनारा के तीलाराम एक्का की 21 अक्टूबर 2020 को पानी में डूबने से मृत्यु होने पर कलेक्टर के अनुमोदन पश्चात एसडीएम धरमजयगढ़ द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के संशोधित प्रावधान के अनुसार मृतक की पत्नी तेजकुमारी को 4 लाख रुपये की वित्तीय सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

स्टेशनरी दुकान व बुक डिपो के संचालन की मिली अनुमति

❍ **कलेक्टर सिंह ने जारी किया आदेश**

रायगढ़ । कलेक्टर भीम सिंह द्वारा कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुये 31 मई 2021 तक रायगढ़ जिले के संपूर्ण सीमा क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। कंटेनमेंट अवधि में शर्तो के अधीन विभिन्न गतिविधियों को दी गई संचालन की अनुमति के अतिरिक्त स्टेशनरी दुकान/बुक डिपो के संचालन की अनुमति प्रतिदिन (रविवार को छोड़कर)प्रातः10 बजे से दोपहर 2 बजे तक दी जाती है। इसके अतिरिक्त पूर्व में जारी आदेश की समस्त कंडिका की शर्ते एवं निर्देश पूर्ववत लागू रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

युवक को शराब और गांजा पिलाकर की हत्या, आरोपी फरार

दुर्ग (आरएनएस)। लॉकडाउन खुलते ही अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए। दुर्ग में ऐसा ही एक मामला सामने आया है जहां बदमाशों ने एक युवक को शराब और गांजा पिलाकर बेरहमी से हत्या कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना बुधवार को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे के बीच के आसपास की है। ग्राम बघेरा निवासी मृतक निलेश सोनवानी 26 वर्ष रसमड़ा में काम करता था और नशे का आदि था। वह सुबह घर से बिना बताए निकाला। जिसके बाद सिलोदा खार के पास उसकी खून से लथपथ लाश मिली। पुलिस को मौके पर गांजा और चीलम मिला है। पुलिस ने बताया कि मौका-ए-वारदात को देखने से यह प्रतीत होता है कि आपस में दोस्तों ने मिलकर शराब और गांजा पीया होगा। इसके बाद किसी बात को लेकर उन में विवाद हो गया। जिसके बाद हत्या की घटना को अंजाम दिए है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया कि गांजा और शराब के नशे में युवक की गला घोंटकर हत्या की है। उसके बाद भी मन नहीं भरा तो चेहरे पर सीमेंट का पोल पटक कर चेहरा को बिगाड़ दिया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 302 के तहत जुर्म दर्ज कर जांच कर रही है।

ढाई माह के भीतर सायबर सेल ने ढूंढ निकाली 121 गुम व चोरी हुए मोबाइल, 5 मोबाइल स्वामी को एसपी लौटाया

» पिछले डेढ़ साल में 67 लाख के 500 से अधिक मोबाईल किये जा चुके हैं रिकव्हर

रायगढ़। लॉकडाउन के बीच रायगढ़ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के कुशल नेतृत्व में थानों के लंबित अपराधों की विवेचना, शिकायत, गुम इंसानों की जांच की गति धीमी नहीं पड़ी बल्कि लंबित जांच, विवेचना के साथ सभी थानाक्षेत्र अन्तर्गत लॉकडाउन का कड़ाई से पालन कराया गया और इस दौरान कोविड प्रोटोकाल के उल्लंघन करने वालों पर जमकर कार्रवाई की गई है। वहीं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर सायबर सेल की टीम द्वारा ढाई माह में 121 गुम/चोरी मोबाइल को ट्रेश कर इन मोबाइलों को राज्य व दिगर राज्य के कई जिलों से कोरियर के माध्यम से मांगये गये हैं। अन्य कई प्रदेशों में लॉकडाउन प्रभावी होने के कारण दर्जनों मोबाईल कोरियर में लटके हुये हैं, जिनके भी शीघ्र प्राप्त होने की सम्भावना है। रिकव्हर किये गये 121 हैंडसेट की कुल कीमत करीब 16,80,500 रूपये है।

सायबर सेल में उपलब्ध रिकार्ड अनुसार पिछले साल 382 मोबाइल एवं विगत ढाई महीने में 121 मोबाइल 503 कुल गुम/चोरी हुए मोबाइल का वितरण केवल एसपी संतोष सिंह द्वारा किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत 67 लाख रूपये है।

सायबर सेल प्रभारी द्वारा रायगढ़ जिले से गुम हुये मोबाइलों को ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के कई जिलों तथा

राज्य के बिलासपुर, जांजगीर-चाम्पा, रायपुर, बलौदाबाजार, जशपुर, महासमुंद, अम्बिकापुर क्षेत्र से मंगाये गये हैं , जबकि दर्जनों मोबाइल उपयोगकर्ताओं को सायबर सेल में लाकर जमा करने की हिदायत देने पर सायबर सेल में लाकर जमा किया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा सायबर सेल प्रभारी को मोबाइल चोरी के संबंध में दिये गये आवेदनों पत्रों पर संबंधित थाने में आवेदन पर से चोरी का अपराध पंजीबद्ध कराने के निर्देश दिया गया है। साथ ही उनके द्वारा आमलोगों को गुम मोबाइल के मिलने पर नजदीकी थाने या सायबर सेल में जाकर जमा करने को कहा गया है, क्योंकि किसी अन्य के मोबाइल का उपयोग करना गैरकानूनी है। वे बताए कि सायबर सेल से मोबाईल के गुम/चोरी के आवेदन पर उन्हें ट्रेश कर उपयोगकर्ता से संपर्क कर मोबाइल लौटाने कहा जाता है, इसके बाद भी यदि उपयोगकर्ता मोबाईल वापय नहीं करता तो उस पर वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा सायबर सेल को अधिक से अधिक गुम/चोरी मोबाईलों की खोज करने के दिये गये टास्क पर सायबर सेल के प्रधान आरक्षक राजेश पटेल, दुर्गेश सिंह, आरक्षक बृज लाल गुर्जर, धनंजय कश्यप, प्रशांत पंडा एवं महिला आरक्षक मेनका चौहान द्वारा लगातार उपयोगकर्ताओं से सम्पर्क कर पिछले ढाई माह में 121 मोबाइल रिकव्हर किया गया है। रिकव्हर मोबाईल के वितरण के लिये कोविड नियमों को ध्यान में रखते हुये सभी मोबाइल स्वामियों को कार्यालय नहीं बुलाया गया, केवल पांच व्यक्तियों को ही कार्यालय बुलाया गया, जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा उनका मोबाइल सुपुर्द किया गया। शेष मोबाईल स्वामियों को सायबर सेल आकर मोबाईल ले जाने सायबर सेल स्टाफ द्वारा सूचित किया जा रहा है। मोबाइल वितरण दौरान एडिशनल एसपी अभिषेक वर्मा तथा सायबर सेल स्टाफ मौजूद थे।

युवती से दुष्कर्म और मारपीट के मामले में आरोपी युवक और उसकी पत्नी पर घरघोड़ा थाने में दर्ज अपराध

रायगढ़। थाना घरघोड़ा में दिनांक 26/05/2021 को थानाक्षेत्र की युवती द्वारा उसके गांव के संजय तिर्की द्वारा शारीरिक संबंध बनाने के बाद कानूनी कार्यवाही के डर से पंचायत के सामने शादी कर पत्नी बनाकर रखने की बात कबूल किया फिर अपनी पत्नी के साथ उसके घर में तरह-तरह से यातनाएं देने लगा, युवती के रिपोर्ट पर आरोपी पति-पत्नी पर के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

पीडित युवती बताई कि पिछले साल दिन तारीख याद नहीं है, संजय तिर्की के दुकान के पास सार्वजनिक बोरिंग में पानी भरने गई थी, उस समय संजय दुकान पर बुलाकर डरा धमकाकर शारीरिक संबंध बनाया था। उसके बाद से जब कभी संजय अकेले देखता तो अपने घर ले जाकर संबंध बनाता। फरवरी महीने में तबियत खराब होने पर युवती अपनी मां को संजय के कुकर्म बताई तो गांव में पंचायत किये, पंचों के समक्ष संजय जो

विवाहित है अपनी दूसरी पत्नी बनाकर अच्छे से रखूंगा कहकर अपने घर ले गया। उसके घर में उसकी पत्नी सिलमिना तिर्की और संजय काफी दिनों तक घर को बाहर से बंद कर चले जाते और आने के बाद झगड़ा मारपीट करते थे। पीडिता के लिखित आवेदन पर आरोपी संजय तिर्की और उसकी पत्नी सिलमिना तिर्की के विरूद्ध अप.क्र. 135/2021 धारा 376, 342, 506, 323, 34 भादवि दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक अमित सिंह, आरोपियों के गांव पहुंचे जहां से दोनों आरोपी फरार हैं।

हसिया से गला रेतकर 10 साल की बच्ची की हत्या, परिजनों के डंडे से पिटाई के बाद आरोपी की भी हुई मौत

रायगढ़। दिनांक 26/05/2021 को थाना घरघोड़ा क्षेत्रातर्गत 10 वर्षीय बालिका को गांव के भिक्षा लाल राठिया उम्र 55 वर्ष द्वारा हंसिये से गला रेत कर हत्या किए जाने के बाद मृतिका के पिता व परिजनों द्वारा आरोपी भिक्षा लाल की डंडे से पीट-पीटकर हत्या किए जाने की रिपोर्ट मृतिकों के वारिसानों द्वारा दर्ज कराई गई है।

जानकारी के अनुसार ग्राम ढोरम थाना घरघोड़ा निवासी भिक्षा लाल राठिया शराबी व झगड़ालू किस्म का व्यक्ति है। पूर्व में भी गांव के लोगों के साथ झगड़ा मारपीट की रिपोर्ट थाना घरघोड़ा में पीडित द्वारा दर्ज कराई गई है। घटना दिनांक 26/05/2021 के दोपहर की है। बालिका मालती राठिया पिता बेलार राठिया उम्र 10 वर्ष अपने हम उम्र की लड़कियों के साथ गांव के तालाब से नहा कर आ रही थी, रास्ते में भिक्षा लाल राठिया मिला जो हाथ में हंसिया पकड़े हुआ था। अचानक भिक्षा लाल राठिया बिना किसी झगड़ा विवाद के लड़कियों को मारनके के लिये दौड़ाया, उसके हाथ मालती आयी तो उसकी हंसिये से गला रेत कर हत्या कर दिया। घटना की सूचना मृतिका के पिता बेलार राठिया को होने पर गांव के जमुना राठिया, मुरली राठिया, विष्णु राठिया, वृंदा राठिया

व अन्य लोगों के साथ हाथ में लाठी, डंडा लेकर भिक्षालाल के घर गए और उसे आंगन में निकाल कर लाठी, डंडे से मारपीट कर अधमरा कर दिए, भिक्षा लाल को उसके घरवाले घरघोड़ा अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर द्वारा भिक्षालाल की मृत्यु हो जाना बताया गया है। मृतिका मालती के हत्या की रिपोर्ट पर आरोपी भिक्षालाल राठिया पिता इंजोर सिंह राठिया उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम ढोरम थाना घरघोड़ा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 134/2021 धारा 302 भादवि तथा मृतक भिक्षा लाल की हत्या के संबंध में उसके भतीजे पवन कुमार राठिया उम्र 22 वर्ष के रिपोर्ट पर आरोपीगण बेलार राठिया, जमुना राठिया, मुरली राठिया, विष्णु राठिया वृन्दा राठिया व अन्य सभी निवासी ग्राम ढोरम थाना घरघोड़ा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 136/2021 धारा 147,148,302 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

सही समय पर सही इलाज मिलने से 78 वर्षीय शुद्धू राम परजा ने जीती कोरोना से जंग, कोरोना वायरस से घबराये नहीं बल्कि जागरूक रहें

रायगढ़ । कोरोना वायरस से घबराने की नहीं बल्कि सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है, तभी हम इस जानलेवा वायरस को हरा पाएंगे। अभी जो समय चल रहा है उसमें सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार जैसे लक्षण आपके शरीर में आते है तो उसे नजर अंदाज न करें बल्कि समय रहते इसका तुरंत इलाज करायें। देरी करने की वजह से हमारा शरीर की इम्यूनिटी यानी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है और यही मौका मिल जाता है वायरस को हमारे शरीर पर हमला करने का। जिसकी वजह से कईयों ने अपनी जान भी गवा दी। लिहाजा कोरोना वायरस से घबराने और परेशान होने की बजाए जागरुक बनें और वायरस को फैलने से रोकने के लिए जरूरी ऐहतियात पर ध्यान रखें। उक्त बातें

वार्ड नंबर 21 बेलादुला रायगढ़ के 78 वर्षीय शुध्दू राम परजा ने कही। उन्होंने कहा कि पात्र लोग वैक्सीन जरूर लगवाये। वैक्सीन एवं शासन द्वारा जारी गाईड लाइन के पालन से हम इस बीमारी को हरा पायेंगे।

❍ **कोरोना से जंग जीते शुद्धू राम की अपनी कहानी अपनी जुबानी -** शुध्दू राम परजा ने बताया कि 7 मई को मुझे तेज बुखार हुआ और बुखार कम हो ही नहीं रहा था। तभी मुझे कुछ घबराट भी महसूस हुई और मन भी घबराने लगा कि कहीं मैं भी कोरोना की चपेट में नही आ गया हूँ। मैने दूसरे दिन 8 मई को मेरे लड़के विदेशी लाल परजा को बोलकर तुरंत टेस्ट करवाया। जिसमें मैं पाजिटिव आया। लेकिन मैने खुद को हिम्मत दी और मन में अटूट विश्वास रखा कि मैं तो टीका भी लगवा लिया हूं मुझे कुछ नहीं होगा। स्वास्थ्य विभाग ने 9 मई को मुझे केआईटी अस्पताल में एडमिट कर दिया। वहां मेरा बहुत अच्छे से इलाज हुआ। डॉक्टर एवं वहां के नर्स प्रतिदिन चेकअप करने आते थे। सहीं समय पर सही इलाज मिलने से आज मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं और अपने घर पर हूं।

❍ **केआईटी अस्पताल की व्यवस्था को सराहा-** शुध्दू राम परजा ने केआईटी अस्पताल के डॉक्टरों और सभी मेडिकल स्टाफ के समर्पण भाव को सराहते हुए कहा कि सभी ने उनका बहुत अच्छे से ध्यान रखा। केआईटी अस्पताल रायगढ़ में उन्हें सही समय पर सुबह का नाश्ता, दोपहर का खाना, अपरान्ह 4 बजे फल और रात्रि 8 बजे भोजन दिया जाता था। साथ ही वहां के स्टाफ नर्स भी अपनी पूरी जिम्मेदारी निभा रहे थे। उन्होंने कहा कि उक्त अस्पताल में बहुत अच्छा इलाज एवं देखभाल हुआ। जिसकी बदौलत मैं आज इतनी जल्दी स्वस्थ होकर अपने घर आ गया हूँ।

हाथियों ने फिर दी दस्तक, एक व्यक्ति की ली जान

दल्लीराजहरा (आरएनएस)। बालोद जिले के डौंडी ब्लाक में जंगली हाथियों के दल ने फिर से दस्तक दे दी है। बताया जा रहा है कि हाथियों का दल दल्लीराजहरा परिक्षेत्र के मंगलतराई परिसर के समीप जंगल में है 7 मिली जानकारी के अनुसार बीती रात हाथियों ने एक व्यक्ति को कुचल कर मार डाला 7 मृतक का नाम भगवान सिंह उम्र 48 वर्ष का है बालोद का निवासी है 7 मृतक का मंगलतराई में केले की बाड़ी है और पिछले एक महीने से अपने चचेरे भाई के यहाँ रहता था और यहाँ अपने भाई के साथ रहकर देखरेख करता था 7 25 मई की रात में मृतक और उसका भाई बाड़ी की ओर गए थे और तभी हाथियों ने दल ने उन पर आक्रमण कर दिया मृतक का भाई तो किसी तरह बचकर भाग गया किन्तु भगवान सिंह हाथियों के चपेट में आ गया जिसे हाथियों ने कुचल कर मार डाला।

हाथियों के दल में 22-24 की संख्या में बताया जा रहे हैं। उनमें 02 बच्चे भी शामिल है 7 संबंधित परिक्षेत्र सहायक एवं परिसर रक्षक सहित अन्य वन अमलों को अलर्ट किया गया है तथा हाथियों की उपस्थिति की सतत निगरानी हेतु निर्देशित कर समीपस्थ सभी ग्रामो में मुनादी की कार्यवाही करायी गयी है । दल्लीराजहरा के रेंजर श्री नांदुलकर मैंने इस प्रतिनिधि को बताया कि हाथियों का दल अभी डौंडी के जंगलों आसपास लोकेट किया गया है। इस क्षेत्र में वन विभाग के कर्मचारियों को तैनात कर रखा गया है। इनका प्रयास रहेगा कि हाथियों का दल शहरी क्षेत्र में ना हो पाए।

कोरोना के अगली लहर के लिए रहना है तैयार-कलेक्टर भीम सिंह

» एमसीएच अस्पताल को कोविड संक्रमित बच्चों और गर्भवती महिलाओं के इलाज के लिए विशेष रूप से किया जाएगा तैयार

रायगढ़ । कोरोना की तीसरी लहर के आने की संभावना व्यक्त की जा रही है जिसमें बच्चों के भी प्रभावित होने की आशंका जतायी जा रही है। इसको लेकर हमें पहले से अपनी पुख्ता तैयारी रखनी है। बच्चों के इलाज के लिए जरूरी संसाधनों व उपकरणों की पूरी व्यवस्था तैयार रखना है। उक्त बातें कलेक्टर भीम सिंह ने आज जिले में कोरोना प्रबंधन से जुड़ी स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कही।

उन्होंने एमसीएच हॉस्पिटल जिसमें अभी कोविड मरीजों का उपचार हो रहा है उसे बच्चों व गर्भवती महिलाओं के इलाज के हिसाब से रेडी करने के लिए जरूरी तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। बच्चों के क्रिटिकल केयर के लिए जरूरी मशीनों का आंकलन करते हुए खरीदी के लिये प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने निजी अस्पतालों को भी अपनी तैयारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सिंह ने जिले में वर्तमान कोरोना प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि पॉजिटिविटी दर में कमी लाते हुए कोविड डेथ के मामलों को कम से कम करना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। इसके लिए सभी को विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने सभी विकासखण्डों को उनके प्रतिदिन के टेस्टिंग लक्ष्य को अनिवार्य रूप से पूरा करने के लिए कहा। जिससे संक्रमित मरीजों की जल्द पहचान कर उनका इलाज शुरू किया जा सके और संक्रमण को आगे बढ़ने से रोका जा सके। इसके साथ ही उन्होंने गांव-गांव में चल रहे जन-जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को लक्षणों के साथ संक्रमण किस रफ्तार से शरीर पर अपना असर दिखाता है और कैसे तेजी से शरीर में ऑक्सीजन लेवल घटता है इसको लेकर भी जागरूक करने के लिए कहा। ताकि लोग कोरोना के लक्षण दिखने पर तुरंत टेस्ट कराएं और इलाज लें। अनावश्यक देरी ना करें, जिससे उनके गंभीर होने की संभावनाओं को कम से कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि जिले के हर गांव के मितानिन के लिए ऑक्सीमीटर की खरीदी कर उन्हें उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही थर्मल स्कैनिंग गन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने हर पंचायत को अपने स्तर पर 8 से 10 ऑक्सीमीटर खरीद कर रखने के निर्देश दिए। ताकि इसकी सहायता से गांव के होम आइसोलेटेड मरीजों के साथ लक्षणयुक्त व्यक्तियों के ऑक्सीजन सेचुरेशन की जांच होती रहे और सेचुरेशन 94 के नीचे आने पर उसे अस्पताल शिफ्ट किया जा सके। इससे मरीज की रिकवरी के चान्सेस बढ़ जाएंगे।

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत डॉ.रवि मित्तल, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य सहित कोविड अस्पतालों के संचालक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

❍ **1 करोड़ के पांच वेंटिल्टर्स और पहुंचे-** कलेक्टर सिंह ने बताया कि लगभग 1 करोड़ कीमत के पांच वेंटिल्टर्स भी आ चुके हैं। जिसे मेडिकल कॉलेज में दिया गया है। इससे गंभीर मरीजों के उपचार सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। कलेक्टर सिंह ने छाल पीएचसी में 10 ऑक्सीजन बेड और यहां एसइसीएल के बिल्डिंग में 10 ऑक्सीजन बेड की सुविधा तैयार करने के लिए कहा। कलेक्टर सिंह ने विकासखंड स्तरीय अस्पतालों में बाइपेप मशीन दिए जाने की समीक्षा की।

❍ **ब्लैक फंगस के मरीजों के तीन अस्पतालों में जांच की शासन ने की है व्यवस्था-** कलेक्टर सिंह ने ब्लैक फंगस के केसेस इलाज के संबंध में कहा कि शासन ने एम्स रायपुर, मेकाहारा रायपुर या सिम्स बिलासपुर में ब्लैक फंगस के मरीजों के इलाज की व्यवस्था की है। अतः जिले में जो भी केस आएं उन्हें इन अस्पतालों में रेफेर करें। इसके साथ ही उन्होंने पोस्ट कोविड लक्षणों वाले मरीजों के उपचार व देखभाल के संबंध में जानकारी ली। बताया गया कि जिला अस्पताल में पोस्ट कोविड ओपीडी संचालित है। जिसमें कोविड से रिकवर के बाद भी पोस्ट कोविड लक्षण वाले मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480